दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी
वर्ष 15 /अंक 24 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, शुक्रवार, 24 मार्च 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com
उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर
RNI No. : - UTTHIN/2009/27592

पिण्डज प्रवरारुढा चण्डकोपास्त्रकैर्युता। प्रसादं तनुते मह्यम चन्द्रघण्टेति विश्रुता॥ या देवी सर्वभूतेषु माँ चन्द्रघण्टा रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

भ्रष्टाचार का पाप और भाजपा की वैतरणी
भेल की टीम ने शिवालिक नगर पालिका को बिजली ...

मूल्य- 2 रु.

पीएम मोदी ने कोविड, इन्फ्लूएंजा की स्थिति पर समीक्षा बैठक की

नई दिल्ली। देश में पिछले दो सप्ताह में इन्फ्लूएंजा और कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उच्च-स्तरीय बैठक बुलाई और कहा कि कोविड-19 अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को जीनोम अनुक्रमण बढ़ाने तथा लोगों द्वारा कोविड-उपयुक्त व्यवहार अपनाए जाने पर जोर दिया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत में कोरोना वायरस के।,134 नए मामले दर्ज किए गए हैं, वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 7,026 पहुंच गई है। सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के अनुसार संक्रमण से पांच लोगों की मौत होने के साथ कुल मृतक संख्या 5,30,813 हो गई है। अद्यतन आंकड़ों में छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र में मौत का एक-एक मामला दर्ज किया गया, जबकि केरल में पूर्व में सामने आए मौत के एक मामले में कोविड-19 की पुष्टि होने पर उसे संबंधित आंकड़ों में शामिल किया गया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के एक बयान के अनुसार, मोदी ने देश में कोविड-19 और इन्फ्लूएंजा की स्थिति और उससे निपटने के लिए स्वास्थ्य ढांचे की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बैठक बुलाई। उन्होंने टीकाकरण अभियान की स्थिति, कोविड-19 के नए स्वरूपों तथा इन्फ्लूएंजा के प्रकारों के उभरने और देश के लिए उनके जन स्वास्थ्य प्रभावों की भी समीक्षा की। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयोगशाला निगरानी बढ़ाने, गंभीर घातक श्वसन संक्रमण (एसएआरआई) के सभी मामलों की जांच करने और जीनोम अनुक्रमण को तेज करने का आह्वान किया।

पीएमओ ने बताया कि मोदी ने स्वास्थ्य केंद्रों पर इन्फ्लुएंजा तथा कोविड के लिए जरूरी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की जरूरत बताई, वहीं पर्याप्त बिस्तर और मानव संसाधन पर भी ध्यान देने को कहा। संयोग से तीन साल पहले आज के ही दिन जनता कर्फ्यू लगाया गया था। प्रधानमंत्री ने 2020 में महामारी का प्रकोप शुरू होने के बाद एक दिन के लिए लोगों से घरों से नहीं निकलने को कहा था। बाद में मामले बढने के साथ देशभर में लॉकडाउन लगा दिया गया। बैठक में स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने भारत में बढ़ते मामलों समेत वैश्विक कोविड स्थिति पर एक व्यापक प्रस्तुतीकरण दिया। प्रधानमंत्री को बताया गया कि भारत में संक्रमण के नए मामलों में थोड़ी वृद्धि हुई है और रोजाना औसतन 888 मामले आ रहे हैं।

वर्ष 2050 में भारत की शहरी आबादी पानी की कमी से सबसे अधिक प्रभावित हो सकती : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र, (भाषा)। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक 2050 में दुनिया की 1.7 से 2.40 अरब शहरी आबादी जल संकट से जूझ सकती है और इससे सबसे ज्यादा भारत के प्रभावित होने की आशंका है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2016 में 93.3 करोड़ शहरी आबादी जल संकट से जूझ रही थी। संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन-2023 से पहले मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र विश्व जल विकास रिपोर्ट 2023ः जल के लिए साझेदारी और सहयोग शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया में करीब 80 प्रतिशत आबादी जल संकट से जूझ रही है, खासतौर पर पूर्वोत्तर चीन, भारत और पाकिस्तान में। रिपोर्ट में आंकड़ों के हवाले से कहा गया , जल संकट से जूझने वाली वैश्विक शहरी आबादी 2016 के 93.3 करोड़ से बढ़कर 2050 में 1.7 से 2.4 अरब होने की आशंका है और अनुमान है कि भारत सबसे अधिक प्रभावित देश होगा। यूनेस्को की महानिदेशक आंड्रे एजोले ने कहा, वैश्विक संकट के नियंत्रण से बाहर जाने से पहले मजबूत अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था तत्काल स्थापित करने की जरूरत है। रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक स्तर पर दो अरब लोगों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं है और 3.6 अरब आबादी के पास सुरक्षित स्वच्छता व्यवस्था नहीं हैं। रिपोर्ट के प्रधान संपादक रिचर्ड कॉनर ने संवाददाताओं से कहा कि अनिश्चितता बढ़ रही है। उन्होंने कहा, अगर आपने समाधान नहीं किया तो निश्चित तौर पर वैश्विक संकट होगा। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने रिपोर्ट में कहा कि जल मानवता के लिए रक्त की तरह है।

अपराधियों को हम लोग छोड़ेंगे नहीं : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि अपराधियों को हम लोग छोड़ेंगे नहीं और जितने अपराधी हैं उनको समझ जाना चाहिए की उनके दिन लद गए हैं। राजस्थान पुलिस अकादमी में प्रशिक्षु आरपीएस के 53वें बैच के दीक्षांत परेड समारोह कार्यक्रम के बाद संवाददाताओं से बातचीत में गहलोत ने कहा, जोधपुर, बीकानेर, उदयपुर और नागौर में अपराधियों के विरूद्ध लगातार अभियान चल रहा है। राजस्थान में हाल ही में पकड़े गए अपराधियों के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, हम लोग छोडेंगे नहीं इनको (अपराधियों को) .. जितने अपराधी हैं उनको समझ जाना चाहिए कि आपके दिन लद गए हैं.. क्योंकि किस प्रकार से जो हरकते हो रही हैं.. दूसरे प्रदेशों से जो अपराधी यहां पर आतें है.. सबका इलाज कर रहें हैं यहां पर.. हम चाहेंगे कि यहां सुख शांति, चैन, प्यार, मोहब्बत रहे भाईचारा रहे और किसी तरह की हरकतें नहीं हो। उल्लेखनीय है कि हाल ही में जयपुर पुलिस ने एक बड़ी सफलता में वांछित अपराधी एवं लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य रितिक बॉक्सर को नेपाल सीमा से गिरफ्तार किया था। उस पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित था।

दिल्ली बजट 2023-24 : स्वास्थ्य क्षेत्र को मिले 9,742 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, (भाषा)। दिल्ली सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 9,742 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। पिछले साल आवंटित राशि से यह रकम मामूली कम है। वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने बुधवार को यह घोषणा की।

विधानसभा में बजट पेश करते हुए गहलोत ने कहा कि आम आदमी मोहल्ला क्लिनिक में निःशुल्क नैदानिक परीक्षणओं की संख्या 256 से बढ़ाकर इस साल 450 कर दी जाएगी। गहलोत ने कहा, शिक्षा के अलावा, स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है जिसपर केजरीवाल सरकार ध्यान दे रही है। 2023-24 के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र को 9,742 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। मंत्री ने कहा, दिल्ली में 515 आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक, चार महिला मोहल्ला क्लीनिक, 174 एलोपैथिक डिस्पेंसरी, 60 प्राथमिक शहरी स्वास्थ्य केन्द्र (पीयूएचसी), 30 पॉलीक्लीनिक और 39 मल्टीस्पेशियालिटी अस्पताल हैं जो शहर के बेहतर स्वास्थ्य की रीढ़ हैं। गहलोत ने कहा, आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक में होने वाले नैदानिक परीक्षणों की संख्या इस साल 256 से बढ़ाकर 450 कर दी जाएगी। गहलोत ने कहा कि बजट में 100 महिला मोहल्ला क्लीनिक खोलने का प्रस्ताव है। साथ ही नौ नए अस्पतालों का निर्माण हो रहा है जिनमें से चार इस साल काम करने लगेंगे।

राहुल गांधी को सूरत कोर्ट ने सुनाई 2 साल की सजा, मिली जमानत

सूरत। कांग्रेस सासंद राहुल गांधी को 2019 में दर्ज 'मोदी सरनेम वाले आपराधिक मानहानि के मामले में गुजरात के सूरत की जिला कोर्ट ने दोषी करार देते हुए दो साल की सजा सुनाई. हालांकि, बाद में राहुल गांधी को कोर्ट से जमानत मिल गई. यह मामला राहुल गांधी द्वारा दिए गए 'मोदी उपनाम संबंधी टिप्पणी से जुड़ा है. राहुल गांधी को 30 दिनों के लिए जमानत देते हुए और निर्णय के खिलाफ अपील उच्च न्यायालय में करने की अनुमति दी गई. राहुल गांधी आज सुबह ही सूरत पहुंचे और राज्य में पार्टी के शीर्ष नेताओं ने उनका स्वागत किया.

यह मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और 500 (मानहानि) के तहत दर्ज किया गया था. राहुल गांधी अपना बयान दर्ज कराने के लिए अक्टूबर 2021 में सूरत की अदालत में पेश हुए थे. अर्जुन मोढवाडिया ने बृहस्पतिवार को कहा, ''सत्य की परीक्षा होती है और उसे परेशान किया जाता है, लेकिन सत्य की ही जीत होती है. गांधी के खिलाफ कई झूठे मामले दर्ज किए गए हैं, लेकिन वह इन सबसे बाहर निकलेंगे. हमें न्याय मिलेगा। भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उपनाम के बारे में टिप्पणी पर 2019 के मानहानि मामले में राहुल गांधी को दोषी ठहराने के सूरत की अदालत के फैसले का स्वागत किया है. अदालत ने राहुल गांधी को दोषी ठहराया और उन्हें अदालत के फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करने के लिए 30 दिन की जमानत देने से पहले दो साल के कारावास की सजा सुनाई. सुशील मोदी ने एक चैनल से खास बातचीत में कहा, 'मैं अदालत के फैसले का स्वागत करता हूं. मैं भी एक मोदी हूं. राहुल गांधी की टिप्पणी से मैंने भी खुद को अपमानित महसूस किया. बिहार से राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने कहा कि उन्होंने भी पटना में कांग्रेस नेता के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

आवश्यक सूचना

'उत्तराखंड प्रहरी' के सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि आप अपने प्रिय अखबार 'उत्तराखंड प्रहरी' महाभियान में शामिल हो सकते हैं। आप अपने द्वारा लिखी गई कोई भी संरचना, कविता, कहानी, लेख या कार्यक्रम हमसे साझा कर सकते हैं। अच्छे लेख व कहानी को 'उत्तराखंड प्रहरी' में उचित स्थान दिया जाएगा। आप अपने प्रियजनों को जन्मदिन, सालगिरह या अन्य शुभ अवसरों पर बधाई संदेश भी दे सकते हैं।

आप हमें ईमेल

uttarakhandprahari19@gmail.com या whatsup no 8077771906 पर भी भेज सकते हैं।

संपादकीय

नौ देशों में भूकंप

एक भूकंप ने भारत समेत नौ देशों को कंपा कर रख दिया। हालांकि भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के फैजाबाद से 133 किलोमीटर दूर दक्षिण-पूर्व हिंदुकुश का पहाड़ी इलाका था। भूकंप की धरती के भीतर गहराई काफी थी, नतीजतन उसके व्यापक कंपन महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 6.6 बताई जा रही है, लेकिन यह चीन, पाकिस्तान, तजाकिस्तान, किर्गिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उज़्बेकिस्तान और कजाकिस्तान आदि देशों के विभिन्न इलाकों में ज्यादा भी हो सकती है। भारत की राजधानी दिल्ली में इतनी तीव्रता का और ज्यादा समय का भूकंप पहली बार महसूस किया गया है। भूकंप के अचानक झटके रात्रि 10.20 बजे के करीब महसूस किए गए, जब घर के फर्श हिलने लगे, पलंग हिलने लगा और बंद पंखा भी डोलने लगा। भयभीत और बदहवास लोग घरों को छोड़ कर खुले में आ गए। दिल्ली के अलावा, करीब दर्जन भर राज्यों में भूकंप से धरती कांप उठी। भूकंप खौफनाक और विध्वंसक इसलिए लगता है, क्योंकि दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम आदि में लोग बहुमंजिला इमारतों में रहते हैं। आबादी का घनत्व काफी है और लोगों को संकीर्ण ज़िंदगी जीनी पड़ती है। कल्पना कीजिए कि भूकंप के झटके शुरू हो जाएं और लोगों को 20, 22, 15वीं मंज़िल से सीढियों के जरिए उतर कर खुले मैदान तक आना हो, तो सब कुछ राम-भरोसे है। इतनी देर में तो भूकंप इमारतों को ज़मींदोज कर सकता है।

बहरहाल भूकंप अब हमारी ज़िंदगी का अहम हिस्सा बन गए हैं। उनकी पुनरावृत्ति जल्दी-जल्दी होने लगी है। दिल्ली में यमुना नदी के किनारे पर बसे इलाके भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील हैं। हालांकि यह पहली बार नहीं हुआ है कि अफगानिस्तान भूकंप का केंद्र हो और उत्तरी भारत के राज्य कांपने लगें। 2015 में जब नेपाल में 7.5 तीव्रता का भयावह और विनाशकारी भूकंप आया था, तो उसके करीब छह माह बाद उत्तरी भारत में भी कंपन महसूस किए गए थे। भूकंप के वे झटके अफगानिस्तान के लगभग इसी हिस्से में आए थे। जनवरी, 2018 में भी लगभग ऐसा ही हुआ था। इन तमाम संदर्भों में भूकंप धरती के भीतर 150 किलोमीटर से अधिक गहरा आंका गया। भूकंप विशेषज्ञों के मुताबिक, देर तक भूकंप के झटके इसलिए महसूस किए गए, क्योंकि इंडो-ऑस्ट्रेलियन प्लेट यूरेशियन प्लेट से टकरा रही है। भूकंप की दृष्टि से हिंदुकुश इलाका बेहद संवेदनशील है। चूंकि भूकंप का केंद्र राजधानी दिल्ली से करीब 1000 किलोमीटर दूर था और भूकंप की गहराई भी ज्यादा थी, लिहाजा कंपन दूर तक महसूस किए गए। ऐसी स्थितियों में नुकसान की आशंकाएं कम होती हैं। फिर भी बहुमंजिला इमारतों में रहने वालों को झटके ज्यादा महसूस हुए और कम ऊंचाई पर रहने वालों को हल्के झटके महसूस हुए। भूकंप 21वीं सदी में भी अनिश्चित हैं। इनकी कोई भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। अलबत्ता भूकंप संवेदी इलाकों का वर्गीकरण किया जा सकता है कि कहां भूकंपों की ज्यादा संभावनाएं हो सकती हैं। अलबत्ता आईआईटी और अन्य वैज्ञानिक संस्थानों के स्तर पर ऐसे अनुसंधान जारी हैं, जिनसे भूकंप के बारे में निश्चित जानकारी दी जा सकेगी। ये जानकारियां कितनी सटीक होंगी, यह अनुसंधान के ठोस निष्कर्षों पर ही आधारित हो सकता है। अभी दुनिया ने तुर्किए के भूकंपों को देखा और महसूस किया है।

भ्रष्टाचार का पाप और भाजपा की वैतरणी

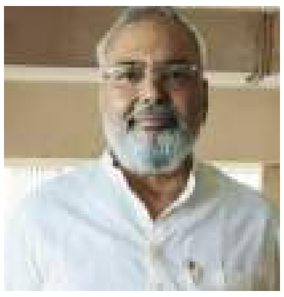

निशिकांत ठाकुर

पिछले कुछ दिनों से ऐसा लगने लगा है जैसे देश में भ्रष्टाचारियों की अचानक बाढ़ आ गई हो और छापे रूपी बांध से उन्हें बांधने के लिए सरकार ने अपने सारे तंत्र खोल दिए हों। क्या भ्रष्टाचारियों की इतनी तेज आंधी आ गई है कि देश भ्रष्टप्लावित हो गया और छापों की असंख्य बौछार से उसे एकसाथ रोकने का प्रयास किया जा रहा है? इस प्रकार के योजनाबद्ध छापों से दो प्रकार की सोच पनप रही है- पहला तो यह कि विपक्ष के प्रति आमजन के मन में घृणा उत्पन्न हो जाए और दूसरा यह सोचने पर मजबूर हो जाए कि छापेमारी करवाने वाला अपने प्रतिद्वंद्वियों को एक तरह से समूल नष्ट कर देना चाहता हो। आप आज जिस किसी माध्यम से देश-दुनिया के हालात को जानने का प्रयास करेंगे, तो भयभीत हो जाएंगे, क्योंकि अपनी दिनचर्या के अनुसार आप सुबह समाचार जानने के उद्देश्य से अखबार पढ़ना शुरू करेंगे, तो छापों के समाचार से ही इसकी शुरुआत होगी। पता नहीं, रात में आपके पड़ोसी के यहां किसी सरकारी जांच एजेंसियों का छापा पड़ गया हो और अभी आपको समाचार पत्रों से पता चल रहा हो कि आपका पड़ोसी तो उच्च कोटि का भ्रष्ट अधिकारी था या सत्तारूढ़ दल के विरुद्ध बात करता था अथवा विपक्षी दल का कार्यकर्ता अथवा नेता था?

पिछले दिनों कर्नाटक में भाजपा विधायक के ठिकानों से कुल आठ करोड़ रुपये कैश बरामद होने पर कांग्रेस लगातार भाजपा पर हमलावर है। सिद्धारमैया ने सीएम बोम्मई को करप्शन का सबूत बताते हुए कहा कि उन्हें सीएम पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार में मंत्री सत्येंद जैन महीनों से जेल में बंद हैं, वहीं अब उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भी छापेमारी के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी तथा उनके कई रिश्तेदारों के यहां छापेमारी के बाद पूछताछ जारी है। पंजाब कांग्रेस से जुड़े पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर दिया गया है। उन पर भी मुख्यमंत्री रहने के दौरान भ्रष्टाचार करने के आरोप हैं। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल से विधायक और लालू-राबड़ी देवी के करीबी अबु दोजान के फुलवारी शरीफ के हारून नगर आवास और कई ठिकानों पर छापेमारी की गई है। ईडी छत्तीसगढ़ से कांग्रेस के नेता विनोद तिवारी को दफ्तर बुलाकर दस घंटे तक पूछताछ की गई। यह तो महज चंद उदाहरण हैं, यदि संपूर्णता में इसे देखें तो इनकी संख्या सैकड़ों नहीं, हजारों में है जिन पर ईडी, सीबीआई के छापे पिछले कुछ वर्षों में डाले जा चुके हैं। इन छापों के कारण भ्रष्टाचार से कमाई करने वालों के रातों की नींद हराम हो गई है। स्वाभाविक है कि जिनकी लगाम कसी जाएगी, वह अपने पक्ष में कुछ—न—कुछ कहानियां सुनाएंगे ही।

केंद्र सरकार में सत्तारूढ़ भाजपा का कहना है कि भ्रष्टाचार की शुरुआत कांग्रेस शासन की देन है और अब यदि उसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ रहा है, तो इसकी आलोचना उनके द्वारा क्यों की जाती है। इसे इस प्रकार भी समझा जा सकता है कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव से पूछताछ के बाद जमीन के बदले नौकरी घोटाले में तथाकथित 600 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग के जो सबूत मिले हैं, क्या उसका दोष भी तत्कालीन सरकार पर मढ़ा जाएगा? होना तो यही चाहिए कि जो अपराध करे, उसको उसके कृत्य की सजा तो मिलनी ही चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। विपक्ष इसी को मुद्दा बनाकर जनता के सामने पेश कर रहा है कि भाजपा सरकार अपने विरोधियों के प्रति किस प्रकार एक पक्षीय है। दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में तेलंगाना के मुख्यमंत्री की बेटी के. कविता से यदि ईडी नौ घंटे पूछताछ करती है और दोषी पाए जाने पर गिरफ्तार करती है, तो उसमें किसी को क्या परेशानी हो सकती है? स्पष्ट है कि जो अपराध करेगा, उसे उसकी सजा मिलेगी, लेकिन विपक्ष यही प्रश्न पूछकर सरकार को कठघरे में खड़ा करता है, तो इसमें असहज होना क्या उचित है? विपक्ष कई नामों में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शरमा, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री येदुरप्पा के अलावा कई और नेताओं का नाम लेकर भाजपा पर प्रहार करते हैं कि कांग्रेस में जब तक ऐसे व्यक्ति थे, तब तक भाजपा ने इनपर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगाए गए थे, लेकिन जैसे ही उन्होंने दल बदला, उनकी छवि सुधर गई और ये पाक-साफ होकर भाजपा के सर्वप्रिय व सम्मानित नेता बन गए। क्या भाजपा गंगा नदी जैसी स्वच्छ और पवित्र पार्टी है कि कोई व्यक्ति उसमें डुबकी लगाते ही दोषमुक्त हो जाता है? लालू यादव ट्यूट करते हैं, हमने आपातकाल का काला दौर भी देखा है।

हमने वह लड़ाई भी लड़ी थी। आधारहीन प्रतिशोधात्मक मामलों में आज मेरी बेटियों, नन्हें-मुन्ने नातियों और गर्भवती पुत्रवधू को भाजपाई ईडी ने 15 घंटों से बैठा रखा है। क्या इतने निम्नस्तर पर उतरकर भाजपा हमसे राजनीतिक लड़ाई लड़ेगी?' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ट्वीट किया, 'मोदी सरकार, विपक्षी नेताओं पर ईडी-सीबीआई का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की हत्या का कुत्सित प्रयास कर रही है।' खरगे ने कहा कि जब देश से भगोड़े करोड़ों लेकर भागे, तब मोदी सरकार की एजेंसियां कहां थीं? जब परम मित्र की संपत्ति आसमान छूती है, तो जांच क्यों नहीं होती? इस तानाशाही का जनता मुंहतोड़ जवाब देगी। अब पानी सिर के ऊपर से चला गया है।

उत्तराखंड प्रहरी

कविता

ऐसे थे सरदार भगत सिंह....

गूंज उठी थी धरती सारी और आसमान भी डोला था,
वंदे मातरम और नारा जब जब इंकलाब का वो बोला था।
देश आजादी की खातिर देखो खून जब उसका खोला था,
देख अदमय साहस उसका सांस अंग्रेजी हुकूमत का फूला था।
हंसते-हंसते कुर्बानी दे दी फांसी के फंदे पर भी वो झूला था,
देश भक्ति को जिसकी 'बेदी' देश का बच्चा बच्चा भी ना भूला था।
शहादत पर मेरी मत बहाना अपने आंसू ऐसा मां से वो अपनी बोला था,
जिंदगी का अपनी ना कोई मोल समझ मौत के तराजू में खुद को वो तोला था।।

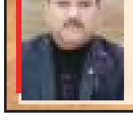

सचिन बेदी अधिवक्ता, हरिद्वार

मां दुर्गा की पूजा का श्रेष्ठ समय है नवरात्र

नवरात्र हिंदू धर्म ग्रंथ एवं पुराणों के अनुसार माता भगवती की आराधना का श्रेष्ठ समय होता है। भारत में नवरात्र का पर्व एक ऐसा पर्व है जो हमारी संस्कृति में महिलाओं के गरिमामय स्थान को दर्शाता है। वर्ष में चार नवरात्र चैत्र, आषाढ़, आश्विन और माघ महीने की शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक नौ दिन के होते हैं, परंतु प्रसिद्धि में चैत्र और आश्विन के नवरात्र ही मुख्य माने जाते हैं। इनमें भी देवीभक्त आश्विन के नवरात्र अधिक करते हैं। इनको यथाक्रम वासंती और शारदीय नवरात्र भी कहते हैं। इनका आरंभ क्रमशः चैत्र और आश्विन शुक्ल प्रतिपदा से होता है

चैत्र या वासंती नवरात्र

चैत्र या वासंती नवरात्र का प्रारंभ चैत्र मास शुक्ल पक्ष की प्रतिप्रदा से होता है। चैत्र में आने वाले नवरात्र में अपने कुल देवी-देवताओं की पूजा का विशेष प्रावधान माना गया है। वैसे दोनों ही नवरात्र मनाए जाते हैं, फिर भी इस नवरात्र को कुल देवी-देवताओं के पूजन की दृष्टि से विशेष माना जाता है। आज के भागमभाग के युग में अधिकांश लोग अपने कुल देवी-देवताओं को भूलते जा रहे हैं। कुछ लोग समयाभाव के कारण भी पूजा-पाठ में कम ध्यान दे पाते हैं। जबकि इस

ओर ध्यान देकर आने वाली अनजान मुसीबतों से बचा जा सकता है। ये कोई अंधविश्वास नहीं बल्कि शाश्वत सत्य है।

नौ देवियां

नौ दिन यानी हिंदी माह चैत्र और आश्विन के शुक्ल पक्ष की पड़वा यानी पहली तिथि से नौवीं तिथि तक प्रत्येक दिन की एक देवी मतलब नौ द्वार वाले दुर्ग के भीतर रहने वाली जीवनी शक्ति रूपी दुर्गा के नौ रूप हैं : शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी व सिद्धिदात्री।

पुराणों में नवरात्र

मान्यता है कि नवरात्र में महाशक्ति की पूजा कर श्रीराम ने अपनी खोई हुई शक्ति पाई, इसलिए इस समय आदिशक्ति की आराधना पर विशेष बल दिया गया है। मार्कंडेय पुराण के अनुसार दुर्गा सप्तशती में स्वयं भगवती ने इस समय शक्ति-पूजा को महापूजा बताया है। कलश स्थापना, देवी दुर्गा की स्तुति, सुमधुर घंटियों की आवाज, धूप-बत्तियों की सुगंध – यह नौ दिनों तक चलने वाले साधना पर्व नवरात्र का चित्रण है।

कन्या पूजन

अष्टमी और नवमी दोनों ही दिन कन्या पूजन और लोंगड़ा पूजन किया जा सकता है। अतः श्रद्धापूर्वक कन्या पूजन करना चाहिए। सर्वप्रथम मां जगदंबा के सभी नौ स्वरूपों का स्मरण करते हुए घर में प्रवेश करते ही कन्याओं के पांव धोएं। इसके बाद उन्हें उचित आसन पर बैठाकर उनके हाथ में मौली बांधें और माथे पर बिंदी लगाएं। उनकी थाली में हलवा-पूरी और चने परोसें। अब अपनी पूजा की थाली जिसमें दो पूरी और हलवा-चने रखे हुए हैं, के चारों ओर हलवा और चना भी रखें। बीच में आटे से बने एक दीपक को शुद्ध घी से जलाएं। कन्या पूजन के बाद सभी कन्याओं को अपनी थाली में से यही प्रसाद खाने को दें। अब कन्याओं को उचित उपहार तथा कुछ राशि भी भेंट में दें।

वैधानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठोस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

नवरात्रों में बंद रखी जाए मीट की दुकानें: हिमाशु

भैरव सेना संगठन ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। भैरव सेना संगठन ने चैत्र नवरात्रि में मीट मांस की दुकानें बंद कराने के लिए सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा है। नवरात्रों तक सभी क्षेत्रों में मीट की दुकानें पूर्णतया बंद रखने की मांग की है। नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु राजपूत ने बताया कि इस पवित्र हरिद्वार को धर्मनगरी के नाम से जाना जाता है। धर्मनगरी से करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी हुई है। चैत्र नवरात्रि में दूर-दूर से भक्त हरिद्वार में गंगा स्नान करने देवी देवताओं के दर्शन के लिए आते हैं। हिमांशु राजपूत ने बताया कि नवरात्रों में माता रानी की नौ दिन तक अखंड ज्योति के साथ पुजा कर विश्व की शान्ति की कामना के साथ साथ बैजूबान जीवों की रक्षा की भी प्रार्थना की जाति है। जिसके चलते जीव हत्या नहीं होनी चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु राजपूत ने कहा की एक दशक से ज़्यादा समय से हम मीट मछली अंडा आदि की दूकाने की आवाज़ उठाकर बन्द कराते आ रहे है। नवरात्रों में हम नहीं चाहते कि सनातन घर्म की आस्था के कोई भी खिलवाड़ करे। जिसे हम बर्दाश्त नहीं कर सकते। नवरात्रे हमारे सनातन घर्म के सबसे बड़े त्योहार मे से एक है। मातृशक्ति की प्रदेश अध्यक्ष रुचि ड्रोलिया ने बताया की नवरात्रि हिन्दुओं का पवित्र त्यौहार है। नवरात्रि में हम और हमारी बहने हमारी मातृशक्ति नवरात्रि का 9 दिन तक उपवास कर अखंड ज्योति जला कर कीर्तन और जागरण के साथ पूजा अर्चना करती हैं। हमारी धार्मिक भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। नौ दिनों तक इन दुकानों को बंद रखा जाना चाहिए। ज्ञापन देने वालों में प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु राजपूत, मातृशक्ति प्रदेश अध्यक्ष रुचि ड्रोलिया, विभाग संयोजक कृष्ण लाल प्रजापति, श्री परशुराम सेना के अध्यक्ष विशाल भट्ट, अभिनव चौहान, जिला सुरक्षा प्रमुख अजय नामदेव, राधे कृष्णा, राज राठौड़, दुर्गा विरमानी सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बारिश से तबाह हुई फसलें, किसानों को मुआवजा दे प्रशासन: इरशाद अली

हरिद्वार। बारिश और ओलावृष्टि के चलते तबाह हुई फसलों से किसानों के सामने संकट खड़ा हो गया है। जिसको देखते हुए भारतीय किसान मजदूर उत्थान यूनियन ने सरकार और प्रशासन से किसानों को फसलों का उचित मुआवजा देने की मांग उठाई है। चेतावनी दी कि अगर जल्द किसानों को मुआवजा नहीं दिया गया तो भारतीय किसान मजदूर उत्थान यूनियन आंदोलन के लिए बाध्य होगी। प्रेस को जारी बयान में

भारतीय किसान मजदूर उत्थान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव इरशाद अली ने कहां कि बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवा के कारण किसानों के खेत में तैयार खड़ी गेहूं, सरसों आदि की फसल जमीन पर गिरने से किसानों को भारी नुकसान पहुंचा है। पहले ही आर्थिक तंगी झेल रहे किसान बेहद परेशान हैं। ऐसे में अब और दिक्कतें किसानों के सामने खड़ी हो गई है। इरशाद अली ने फसलों का मुआवजे की मांग करते हुए कहा कि पहले ही आर्थिक तंगी में चल रहे किसानों को राहत देने के लिए खराब हुई फसलों का उचित मुआवजा दिया जाए। नुकसान की भरपाई की जाए। उन्होंने कहा कि पिछले दो तीन दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। तेज हवा के साथ बारिश भी हुई।

धर्मनगरी में आजादी के परवाने शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरु, शहीद सुखदेव को किया याद

जोगेंद्र मावी, उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। एटक (हीप एवं सीएफएफपी) एवं सीपीआई के कार्यकर्ताओ ने भगत सिंह चौक पर आजादी के परवाने शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरु, शहीद सुखदेव को याद करते हुये उन्हे श्रद्धांजली अर्पित की तथा देश के लिये उनके महान बलिदान को याद किया।

इस दौरान उत्तराखण्ड एटक के अध्यक्ष का. एम.एस. त्यागी ने कहा कि भगत सिंह की सोच थी कि क्रान्तिकारी आन्दोलन देश को आजादी मिलने के बाद भी खत्म नही होगा यह तब तक चलता रहेगा जब तक इन्सान का इन्सान द्वारा शोषण करने वाली व्यवस्था का अन्त नही हो जाता है। एटक (हीप) के महामन्त्री संदीप चौधरी ने कहा कि भगत सिंह का मानना था कि समाज का कल्याण समाजवाद के आधार पर ही किया जा सकता है। भगत सिंह के संगठन नौजवान सभा ने लाला लाजपत राय के नेतृत्व मे मजदूरो एवं किसानो को कुचलने के लिये अंग्रेजो द्वारा भेजे गये साइमन कमिशन का विरोध किया। वायसराय द्वारा विशेष अधिकारो का प्रयोग करते हुये ट्रेड्स डिसप्युट एक्ट और पब्लिक सेफ्टी बिल का असेम्बली मे भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने बम फेंकर विरोध किया। एटक हीप के अध्यक्ष मनमोहन कुमार ने कहा कि लाला लाजपत राय की मृत्यु का बदला सांडर्स को मार कर लेने एवं देश के अन्दर क्रांति की ज्वाला जलाने के ध्येय के प्रति शहीद भगत सिंह का हम सम्मान करते है एवं उनके त्याग, साहस को कभी भुलाया नही जा सकता है। सौरभ त्यागी ने कहा कि भगत सिंह अन्याय पर आधारित व्यवस्था को बदलना चाहते थे, वह मजदूरो एवं शोषितो को उनका हक दिलाना चाहते थे। एटक यूनियन का मानना है कि आज केन्द्र सरकार किसान एवं मजदूर को फिर से बेडियो मे जकडना चाहती है। बैंक, बीमा, रेल, भेल आदि एवं अन्य सार्वजनिक क्षेत्रो को निजी हाथो मे सौंपना चाहती है, मजदूरो की रक्षा के लिये अंग्रेजो से लडकर बनवाये गये कानूनो को खत्म कर रही है। इस प्रकार की सोच भगत सिंह के विचारो के बिल्कुल विपरित है एवं अब देश का युवा, मजदूर, किसान जाग रहा है तथा अब वह इस प्रकार का शोषण बर्दाश्त नही करेगा एवं सरकार के खिलाफ एक बडा संघर्ष तैयार हो रहा है, सरकार अपनी मजदूर विरोधी नीतियो से पीछे हटना होगा वरना मजदूर सरकारो को हटाना अच्छे से जानते है। इस दौरान, मनमोहन कुमार, , अमृत रंजन, गोपाल शर्मा, अजित सिंह, एके दास, मुनारिका यादव, संकल्प त्यागी, दीपक कुमार, गजेन्द्र कुमार, माँगेराम यादव, परमाल सिंह, विकास चौधरी, सुरेन्द्र कुमार, सुभाष त्यागी, चिंरजीवी कुमार, सतीश कुमार, एम.एस. वर्मा, टीके वर्मा, इन्द्रपाल वर्मा, विक्रम नेगी, के. के. लाल, पवन शर्मा, भूषण मेहता, राजीव शर्मा, सतेन्द्र कटारिया, जितेन्द्र प्रसाद, संजीव कुमार, राजबीर सिंह पंवार, भूवनेश्वर महतो आदि उपस्थित।

साधना का महापर्व नवरात्रि :डॉ पण्ड्या

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या ने कहा कि भारतीय संस्कृति में चैत्र नवरात्रि को साधना का महापर्व कहा गया है। इसलिए इन दिनों विशेष साधना का प्रावधान है। नवरात्र के दिनों में गायत्री साधना से साधक में आध्यात्मिक उन्नति होती है तथा रामकथा के श्रवण, मनन एवं चिंतन से वैचारिक क्षमता बढ़ती है।

श्रद्धेय डॉ. पण्ड्या देसंविवि के मृत्युंजय सभागार में रामचरित मानस पर आधारित शिव-पार्वती संवाद विषय पर आयोजित सत्संग सभा को संबोधित कर रहे थे। कुलाधिपति डॉ. पण्ड्या ने कहा कि प्रभु श्रीराम में पूरी संस्कृति समाया है और श्रीराम एक आदर्श शिष्य भी रहे। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु शिष्य परंपरा के अंतर्गत गुरु अपने शिष्य को शिक्षा देता है। शिष्य को जिज्ञासु के भाव से अपने सद्गुरु से संवाद करनी चाहिए और यही सच्चे शिष्य की पहचान है। समर्पित व सच्चा शिष्य बनने से ही आराध्य देव या सद्गुरु की कृपा बरसती है। यह आत्म परिष्कार एवं आत्म चिंतन, मनन से ही संभव है। इसलिए शिष्य को सद्गुरु द्वारा सुझाये गये कार्यों-साधनाओं को निःस्वार्थ भाव से करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरु बनना समर्पित शिष्य बनने की अपेक्षा आसान है। शिष्यत्व की यात्रा मुश्किल है। अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुख श्रद्धेय डॉ पण्ड्या ने रामचरित मानस एवं श्रीमद्भगवत गीता के विभिन्न दोहों, चौपाइयों एवं श्लोकों के माध्यम से विद्यार्थियों में शिष्यत्व की यात्रा पर विस्तार से चर्चा की। इससे पूर्व संगीत के भाइयों ने प्राचीन भारतीय वाद्ययंत्रों की धुन पर 'जगतवंदे माँ, शक्ति दो साधना दो....' गीत से प्रतिभागियों को शिष्यत्व भाव पैदा करने की ओर प्रेरित किया। इस अवसर पर कुलपति श्री शरद पारधी, प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या, कुलसचिव श्री बलदाऊ देवांगन, समस्त विभागाध्यक्ष, छात्र-छात्राओं के अलावा शांतिकुंज व ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान के अंतेवासी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भैरव सेना संगठन के स्वामी आलोक गिरी प्रदेश संरक्षक, गौरव बने प्रदेश मीडिया प्रभारी

हरिद्वार। भैरव सेना संगठन का विस्तार करते हुए पदाधिकारियों की घोषणा की गई है। राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष मोहित चौहान ने संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए तथा संगठन का विस्तार करते हुए पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी एवं श्री सिद्धबली हनुमान, नर्वदेश्वर महादेव मंदिर के स्वामी आलोक गिरी महाराज को प्रदेश संरक्षक मनोनीत किया है। जबकि युवा पत्रकार गौरव कुमार को प्रदेश मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। कनखल क्षेत्र के जगजीतपुर फुटबॉल ग्राउंड स्थित श्री सिद्धबली हनुमान, नर्वदेश्वर महादेव मंदिर परिसर में प्रदेश संरक्षक स्वामी आलोक गिरी महाराज व प्रदेश मीडिया प्रभारी युवा पत्रकार गौरव कुमार का राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष मोहित चौहान व प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु राजपूत ने अपनी टीम के साथ फूल माला पहनाकर स्वागत किया। स्वागत करते हुए संगठन के राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष मोहित चौहान ने कहा कि भैरव सेना संगठन सामाजिक कार्यों के साथ ही जरूरतमंदों की मदद के लिए लगातार बढ़-चढकर कार्य करता आ रहा है।

भेल की टीम ने शिवालिक नगर पालिका को बिजली चोरी करते पकड़ा, मचा हड़कंप

आजकल लगातार विवादों में है शिवालिक नगर पालिका और उसके अध्यक्ष

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

स्थानीय लोगों में भी नगर पालिका और उसके अध्यक्ष के प्रति उमड़ रहा है गुस्सा

अभी हाल ही में नवोदय नगर वासियों ने खोला था नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ मोर्चा

भेल ने कहा की नगर पालिका के विरुद्ध समुचित कार्यवाही की जाएगी

हरिद्वार। उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो, भेल हरिद्वार स्थित शिवालिक नगर पालिका परिषद के कार्यालय में पिछले कई माह से बिजली चोरी हो रही थी और बिजली चोरी की सूचना भेल अधिकारियों व कर्मचारियों को लगातार मिल रही थी भेल अधिकारियों को मिल रही सूचना के आधार पर आज तड़के भेल के विद्युत विभाग से जुड़े अधिकारियों ने बीएचएल निरीक्षण दल द्वारा शिवालिक नगर पालिका परिषद में छापा मारकर बीएचएल से ली गई विद्युत आपूर्ति लाइन से विद्युत मीटर के इनकमिंग सप्लाई में से अनाधिकृत रूप से टैपिंग करके बिजली चलाई जाती हुई पाई गई निरीक्षण दल द्वारा उक्त आपत्तिजनक कनेक्शन को हटाकर विद्युत विच्छेदन कर दिया गया है अग्रिम विधिक कार्यवाही पर सम्यक विचार कर शिवालिक नगर पालिका के विरुद्ध समुचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

विदेशों की तर्ज पर हरिद्वार में स्ट्रीट स्टाइल का पूरा बाजार होगा तैयार

गौरव कुमार,उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार । हरिद्वार-रुड़की हाईवे पर हाई स्ट्रीट रिटेल स्टोर्स के साथ यूरोपीय और उत्तरी अमेरिकी देशों की तर्ज पर अब तक की पहली स्ट्रीट स्टाइल का पूरा बाजार तैयार होने जा रहा है। जहां फ्रांस में पेरिस, ब्रिटेन में लंदन और एडिनबर्ग, जापान में ओसाका, संयुक्त राज्य अमेरिका में न्यू ऑरलियन्स, कनाडा में क्यूबेक और कुछ विकसित शहरों जैसे इस तरह के मॉडल उपलब्ध जैसे स्थान आपको अब उत्तराखंड में भी देखने को मिलेंगे। डाउन टाउन रिटेल अब इस अंतरराष्ट्रीय अनुभव को हरिद्वार में ला रहा है। ₹अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, हंगरी और स्वीडन जैसे देशों में व्यवसायिक संपत्तियों के साथ एक नया आयाम जुड़ा हुआ है जिससे नई वास्तुकला मूल्यों और सांस्कृतिक भावनाओं से जुड़ी हुई है। डाउनटाउन रिटेल के प्रमुख पंकज गुप्ता ने बताया कि हमारी इस नई योजना को उन शहरों के नागरिकों के साथ-साथ पर्यटकों से भी जबरदस्त सहयोग मिल रहा है, यह परियोजना हीरो रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित अलकनंदा आवासीय परिसर के द्वारा बनाई जा रही है। सबसे खास बात ये है कि यह प्रोजेक्ट बाबा रामदेव की पतंजलि योग विश्वविद्यालय के भी करीब है। वैसे भी हरिद्वार शहर केवल अपने पर्यटन के लिए ही नहीं बल्कि पूरे राज्य के पर्यटन का केंद्र है, जो भक्ति और साहसिक पर्यटन के लिए प्रसिद्ध है।यह प्रोजेक्ट नेशनल राजमार्ग के ठीक बगल में स्थित है और इसके आसपास लगभग 7000 परिवार निवास कर रहे हैं। हमारा शॉपिंग एरिया किसी भी मॉल की तुलना में ज्यादा आकर्षक होगा अभी हम इस क्षेत्र में 1500 से अधिक आवासीय भूखंड बेचे हैं।

समाजवाद के प्रखर चिन्तक थे डॉ राम मनोहर लोहिया : सुमित तिवारी

लोहिया जी ने कहा था कि जिंदा कौमें कभी 5 साल इंतजार नहीं करतीं : सुमित तिवारी

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर समाजवाद के प्रखर चिंतक स्व. डॉ राम मनोहर लोहिया जी की 113 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। जिसमें पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने डॉक्टर लोहिया जी के विचारों पर प्रकाश डाला और पार्टी को उनके विचारों पर चल कर आगे बढ़ाने का आव्हान किया। पार्टी के जिलाध्यक्ष सुमित तिवारी ने कहा कि समाजवाद के प्रखर चिन्तक थे डॉ राम मनोहर लोहिया, उन्होंने नारा दिया था कि जिंदा कौमे 5 साल तक इंतजार नहीं करती। उन्होने अमीर - गरीब और जात - पात की खाई को खत्म करने में निभाई अहम भूमिका। जिससे समाज में समानता की व्यवस्था लागू हो सके, देश में आर्थिक समानता हो, शैक्षिक समानता स्थापित हो सके।

तिवारी ने कहा कि विचारों की लड़ाई के कारण वह कुछ मुद्दों पर कांग्रेस से भी अलग हो गए थे। जिससे उन्होंने उस वक्त के प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के सामने भी कई बार चुनाव लडा और 1963 में वह उपचुनाव जीतकर लोकसभा में गए। जहां उन्होंने समाजवाद की आवाज को बुलंद किया। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ कदम सिंह बालियान ने कहा कि 40, 50 और 60 के दशक के समाजवाद के प्रखर नेता डॉ राम मनोहर लोहिया आज भी लाखों लोगों के दिलों में जिंदा है। और आज हम सभी प्रण लेते है कि जब तक जिंदा है तब तक समाजवाद की विचारधारा को आगे बढ़ाते रहेंगे। पार्टी नेता महन्त शुभम गिरी ने कहा कि आजादी के जननायक नेता को हम सभी अपनी सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते है। तथा देश के अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव को अपनी भावभिनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। कार्यक्रम / गोष्टी में महंत शुभम गिरी, विपुल त्यागी, कालू वर्मा, सोमनाथ प्रधान, अजय अग्रवाल, आशीष, अनमोल, धर्मवीर, मंगल, दिनेश, गजेंद्र कुमार, रोहन कुमार, चांद, आनंद, इस्तकार, सोनू, आनंद , प्रखर, कालू आदि उपस्थित रहे।

मां चंडी देवी मंदिर में नारी शक्ति उत्सव के रूप में की गई महिला श्रद्धालुओं की पूजा

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार नील पर्वत स्थित सिद्ध स्थल मां चंडी देवी मंदिर परमार्थ ट्रस्ट के प्रांगण में नवरात्र के दूसरे दिन नारी शक्ति उत्सव के रूप में मां चंडी देवी की आराधना की गई और मंदिर में आने वाली महिला श्रद्धालु एवं युवतियों को ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित गिरी महाराज ने तिलक लगाकर व चुनरी ओढाकर आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान महंत रोहित गिरी महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा नारी सम्मान में जो पहल की गई है वह सराहनीय है। और संत समाज इसका स्वागत करते हुए उनकी दीर्घायु की कामना करता है। उन्होंने कहा कि पुष्कर सिंह धामी राज्य के विकास के लिए लगातार प्रयासरत है। देवस्थानम बोर्ड को भंग करके उन्होंने सनातन प्रेमियों की आस्थाओं को सम्मान दिया है इसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। इस प्रकार की योजनाओं से समाज को एक सकारात्मक संदेश प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि मां चंडी देवी मंदिर में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु भक्तों की मनोकामनाएं मां भगवती पूर्ण करती है। मां भगवती की आराधना से व्यक्ति के जन्मों-जन्मों के पुण्य का उदय होता है और व्यक्ति का जीवन सदैव उन्नति की ओर अग्रसर रहता है। अपनी शरण में आने वाले श्रद्धालु भक्तों को मां भगवती अपनी कृपा का पात्र बना लेती है। नवरात्र में की गई मां की उपासना सुख समृद्धि प्रदान करती है और साधक को सहस्त्र गुना पुण्य फल की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर पंडित पंकज रतूड़ी, पंडित देशवाल शास्त्री, पंडित राजेश कुकशाल, पंडित नवल किशोर, पंडित अमित बेलवाल, पंडित रोहित डबराल, पंडित मनमोहन कंडवाल, विशाल कश्यप, सुनील कश्यप, मोहित राठौर, पंडित बैजनाथ भट्ट, अवनीश त्रिपाठी, त्रिलोक शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

ग्रीन मैन और पर्यावरण मित्र आशीष गॉड ने भगत सिंह राजगुरु और सुखदेव के नाम के भीमगोड़ा स्थित परशुराम वाटिका में लगाए पेड़

हरिद्वार । उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो, आज 23 मार्च को राजगुरु भगत सिंह सुखदेव के निर्वाण दिवस पर भीमगोड़ा स्थित परशुराम वाटिका में ब्रांड एंबेसडर नगर निगम हरिद्वार ग्रीन मैन और आशीष गॉड द्वारा अपने साथियों के साथ और बच्चों के साथ वृक्षारोपण कर हरित क्रांति का संदेश दिया।

15 अप्रैल से पहले करें चारधाम यात्रा व्यवस्थाएं दुरुस्त : धामी

देहरादून। उत्तराखंड में अगले 22 अप्रैल से से शुरू होने वाली चारधाम यात्रा में पिछली बार से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं 15 अप्रैल से पहले पूरा करने के लिए कहा है। मुख्यमंत्री ने यहां कहा कि आगामी चारधाम यात्रा में पिछले वर्ष की अपेक्षा और अधिक श्रद्धालु प्रदेश में आएंगे, जिसके मद्देनजर सभी व्यवस्थाओं को समय से पूरा किया जाना जरूरी है।

35 हजार नगद और 15 लाख के आभूषण सहित एक गिरफ्तार

ऋषिकेश। उत्तराखंड पुलिस ने बुधवार को कथित तौर पर प्रदेश में चोरी की आधा दर्जन वारदात को अंजाम देने वाले अंतर्राज्यीय कुख्यात चिरानी गिरोह के एक सदस्य को 35000 रुपए नकद एवं करीब 15 लाख रुपए के आभूषणों सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि यहां के निकट स्थित मुनि की रेती पुलिस थाने में टिहरी जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत भुल्लर ने संवाददाताओं को बताया कि गिरफ्तार आरोपी बरकत अली जम्मू-कश्मीर के कठुआ के बनी क्षेत्र का निवासी है। उन्होंने बताया कि इस साल नौ मार्च के बाद चिरानी गिरोह ने टिहरी एवं देहरादून जिले के डोईवाला क्षेत्र में दिन दिहाड़े चोरी की छह वारदातों को अंजाम दिया।

अंबानी सबसे अमीर भारतीय, अडाणी धनाढ्यों की सूची में 23वें स्थान पर खिसके

मुंबई। कंपनी संचालन और बही-खाते में गड़बड़ी को लेकर चिंता के बीच उद्योगपति गौतम अडाणी के नेटवर्थ में 60 प्रतिशत का नुकसान हुआ है और वह दुनिया के अरबपतियों की सूची में खिसकर 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी उनसे आगे निकलते हुए सबसे अमीर भारतीय बन गए हैं।

एम3एम हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट के अनुसार, पिछले साल से अगर तुलना की जाए तो अडाणी को इस वर्ष हर सप्ताह औसतन 3,000 करोड़ रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है और कुल मिलाकर उनका नेटवर्थ उच्चतम स्तर से 60 प्रतिशत घट गया है। इसके साथ मार्च के मध्य में उनकी कुल संपत्ति 53 अरब डॉलर रह गई।

रिपोर्ट के अनुसार, अंबानी को भी इस दौरान नुकसान हुआ। लेकिन इसके बावजूद वह अडाणी को पीछे छोड़ते हुए सबसे धनाढ्य भारतीय बन गए। उनका नेटवर्थ इस दौरान 20 प्रतिशत घटकर 82 अरब डॉलर पर आ गया। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी वित्तीय शोध और निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने जनवरी के अंतिम सप्ताह में रिपोर्ट प्रकाशित कर अडाणी समूह पर बही-खाते और शेयरों में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। हालांकि, समूह ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। लेकिन इससे समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई।

संपत्ति में गिरावट के साथ अडाणी और अंबानी दोनों वैश्विक स्तर पर धनाढ्यों की सूची में नीचे आए हैं। जहां अडाणी दुनिया के धनवानों की सूची में खिसकर 23वें स्थान पर आ गए वहीं अंबानी नौवें स्थान पर आ गए हैं। उल्लेखनीय है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने से पहले अडाणी कुछ समय के लिए दुनिया के दूसरे सबसे धनाढ्य व्यक्ति बने थे। हालांकि, अगर 10 साल पहले से तुलना की जाए तो दोनों उद्योगपतियों की संपत्तियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां अडाणी का नेटवर्थ 1,225 प्रतिशत बढ़ा है, वहीं अंबानी की संपत्ति 356 प्रतिशत बढ़ी है।

सूची के अनुसार भारत में 187 धन कुबेर रह रहे हैं। यह पिछले साल के मुकाबले 15 प्रतिशत अधिक है। इसमें देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में सर्वाधिक 66 अरबपति निवास करते हैं। अगर वैश्विक स्तर पर भारतीय मूल के लोगों को देखें तो ऐसे धनवानों की संख्या 217 बैठती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में धनाढ्यों की कुल संपत्ति में भारत की हिस्सेदारी पांच प्रतिशत है। वहीं अमेरिका की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत है। वैश्विक स्तर पर चीन में सबसे ज्यादा धन कुबेर हैं और यह भारत के अरबपतियों की संख्या का पांच गुना है। क्षेत्रवार देखा जाए, तो भारतीय अरबपति अगुवा हैं। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में पुणे के सीरम इंस्टिट्यूट के साइरस पूनावाला 27 अरब डॉलर के साथ सबसे धनवान व्यक्ति हैं। इसी तरह, एशियन पेंट्स के अश्विन दानी का परिवार 7.1 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ अपने क्षेत्र के सबसे अमीर उद्यमी हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, बायजू रवींद्रन 3.3 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ सबसे धनी शिक्षा उद्यमी हैं।

हुरुन की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 10 महिला अरबपति हैं। इसमें अपने दम पर आगे बढ़ने वाली राधा वेम्बु चार अरब डॉलर की संपत्ति के साथ सॉफ्टवेयर और सेवा क्षेत्र से दुनिया की दूसरी सबसे अमीर महिला हैं।

अगले पांच साल में 10 लाख छोटे किसानों को समर्थन देगा वॉलमार्ट फाउंडेशन

नई दिल्ली, (भाषा)। वॉलमार्ट फाउंडेशन ने अगले पांच साल में कम से कम 50 प्रतिशत महिलाओं सहित भारत में अतिरिक्त 10 लाख छोटे किसानों को समर्थन देने की अपनी योजना की बुधवार को घोषणा की।

फाउंडेशन ने दो नए अनुदान की भी घोषणा की, जिसमें महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में 30,000 किसानों और 24 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) तक पहुंचने के लिए टेक्नोसर्व को 30 लाख डॉलर देना शामिल है। इनमें से 50 प्रतिशत महिलाओं के होने की उम्मीद है।फाउंडेशन ने कहा कि गैर-सरकारी संगठन ट्रिकल अप को 5,33,876 डॉलर (4.41 करोड़ रुपए से अधिक) का एक और अनुदान ओडिशा में 1,000 महिला छोटे किसानों तक पहुंच के लिए और उन्हें दो एफपीओ से जोड़ने के लिए दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से ध्यान इस बात को सुनिश्चित करने पर है कि यह व्यवस्था किसानों के लिए बेहतर काम करे। यहां एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, वॉलमार्ट फाउंडेशन की अध्यक्ष कैथलीन मैकलॉघलिन ने कहा, भारत में छोटे किसानों के लिए बाजार पहुंच बढ़ाने के लिए फाउंडेशन की नवीनतम प्रतिबद्धता समाधानों की पहचान करने के हमारे प्रयासों पर आधारित है।

दिल्ली सरकार का बिजली की सालाना मांग का 25 प्रतिशत सौर ऊर्जा के जरिए पूरा करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। दिल्ली के वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने बुधवार को कहा कि सरकार की सौर नीति का उद्देश्य 2025 तक स्वच्छ ऊर्जा के जरिए शहर की सालाना बिजली मांग का 25 प्रतिशत पूरा करना है। इस नीति को अगले महीने अधिसूचित किया जाएगा। गहलोत ने वित्त मंत्री के रूप में विधानसभा में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपना पहला बजट पेश करते हुए बिजली क्षेत्र के लिए 3,348 करोड़ रुपए के आवंटन की घोषणा की।

आयोटेकवर्ल्ड एविगेशन, सिनजेन्टा वाणिज्यिक आधार पर ड्रोन से कृषि-रसायनों का छिड़काव शुरू करेंगी

नई दिल्ली। कृषि-ड्रोन निर्माता आयोटेकवर्ल्ड एविगेशन और कृषि-रसायन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सिंजेन्टा इंडिया आगामी खरीफ सत्र से आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब और हरियाणा सहित कई राज्यों में वाणिज्यिक छिड़काव सेवाएं शुरू करेंगी। इस साल फरवरी में सिंजेन्टा इंडिया ने ड्रोन छिड़काव के लिए आयोटेकवर्ल्ड के साथ समझौता किया था। स्टार्टअप कंपनी ने बयान में कहा, आयोटेकवर्ल्ड और सिंजेन्टा ने पहले ही 13 राज्यों में ड्रोन यात्रा का आयोजन किया है और 17,000 किलोमीटर की यात्रा में एक लाख से अधिक किसानों को कृषि ड्रोन के लाभों का प्रदर्शन करके दिखाया है। लुधियाना, पंजाब में वास्तविक कृषि रसायन का उपयोग करते हुए एक संयुक्त प्रायोगिक गतिविधि सफलतापूर्वक आयोजित की गई है। इसमें किसानों और कृषि-उद्यमियों को कृषि रसायनों के छिड़काव में ड्रोन तकनीक के उपयोग के लाभ के बारे में बताया गया।आयोटेकवर्ल्ड के सह-संस्थापक दीपक भारद्वाज और अनूप उपाध्याय ने कहा, हमने पूरे भारत में ड्रोन छिड़काव की सुविधा के लिए सिंजेन्टा इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। हमने पंजाब राज्य में एक प्रायोगिक परीक्षण किया और प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक रही है।

खरीफ सत्र में उर्वरक की कमी नहीं होगी, शुरुआती स्टॉक, स्थानीय उत्पादन पर्याप्त : सरकार

नई दिल्ली। रसायन और उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि आगामी खरीफ बुवाई के मौसम में उर्वरकों की कोई कमी नहीं होगी क्योंकि घरेलू उत्पादन और बचा हुआ स्टॉक मिट्टी के पोषक तत्वों की स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त होगा। मंत्री ने कहा कि देश को खरीफ (गर्मी में बोई जाने वाली) फसलों की मांग को पूरा करने के लिए हाजिर बाजार से यूरिया आयात करने की जरूरत संभवतः नहीं पड़ेगी, क्योंकि दीर्घावधि के आपूर्ति समझौतों के तहत आयात किया जा रहा यूरिया आ जाएगा।

हालांकि, उन्होंने कहा, स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए डीएपी (डी-अमोनियम फॉस्फेट) का कुछ आयात किया जाएगा।

मांडविया ने यहां संवाददाताओं से कहा, आगामी खरीफ मौसम में उर्वरकों की कोई कमी नहीं होगी। हमारे पास अगले महीने की शुरुआत में बचा हुआ स्टॉक होगा और अगले वित्त वर्ष के अप्रैल और सितंबर के बीच अनुमानित घरेलू उत्पादन खरीफ मौसम के दौरान मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त होगा।

उन्होंने कहा कि देश को हाजिर बाजार से यूरिया और एनपीके आयात करने की जरूरत नहीं होगी। मांडविया ने बताया कि मंत्रालय द्वारा आगामी खरीफ सत्र के लिए उर्वरक की मांग और आपूर्ति की योजना पहले ही बना ली गई है। खरीफ सत्र में फसलों की बुवाई मानसून की शुरुआत के साथ शुरू होती है। इस मौसम की धान और कपास, दालें और सोयाबीन प्रमुख फसलें हैं। मांडविया ने विवरण देते हुए कहा कि खरीफ सत्र के लिए यूरिया की अनुमानित आवश्यकता 179 लाख टन है, जबकि कुल उपलब्धता 194.31 लाख टन होगी, जिसमें एक अप्रैल तक 55 लाख टन का शुरुआती स्टॉक और अगले छह महीने के दौरान 139.31 लाख टन का उत्पादन शामिल है। इसी तरह, डीएपी का शुरुआती स्टॉक 25 लाख टन है और उत्पादन 20 लाख टन होने का अनुमान है, जिससे खरीफ सत्र के लिए कुल उपलब्धता 45 लाख टन हो जाती है। उन्होंने कहा कि खरीफ के लिए डीएपी की आवश्यकता 58.82 लाख टन होने का अनुमान है, उन्होंने कहा कि अंतर को आयात के माध्यम से भर दिया जाएगा।

एनपीकेएस के लिए, खरीफ फसलों के लिए उर्वरकों की कुल आवश्यकता 63.72 लाख टन है, जबकि कुल उपलब्धता 77.15 लाख टन होगी, जिसमें 28 लाख टन का शुरुआती स्टॉक और 49.15 लाख टन का अनुमानित उत्पादन शामिल है। आयात के बारे में पूछे जाने पर मांडविया ने कहा, हमें खरीफ सत्र के लिए यूरिया और एनपीके उर्वरकों के आयात की जरूरत नहीं होगी। थोड़ी मात्रा में डीएपी आयात करने की जरूरत होगी। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने 91.36 लाख टन यूरिया, 54.62 लाख टन डीएपी, 24.60 लाख टन एमओपी (म्यूरेट ऑफ पोटाश) और 11.70 लाख टन एनपीके उर्वरकों का आयात किया था।

कोहली का अर्धशतक बेकार, भारत को 21 रन से हराकर आस्ट्रेलिया ने श्रृंखला जीती

चेन्नई। आस्ट्रेलिया ने एडम जम्पा (45 रन देकर चार विकेट) और एशटन एगर (41 रन देकर दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी से भारत को महत्वपूर्ण मौकों पर झटके देकर बुधवार को यहां तीसरे और अंतिम वनडे में 21 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 2-। से अपने नाम की।

भारतीय बल्लेबाजी फिर आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के दबाव में आ गई और चेपक की धीमी पिच पर लक्ष्य का पीछा करते हुए 49.1 ओवर में 248 रन पर सिमट गई। विराट कोहली (54 रन, 72 गेंद, दो चौके, एक छक्का) का अर्धशतक भी भारत को हार से नहीं बचा सका।

आस्ट्रेलिया ने पहला वनडे पांच विकेट से गंवाने के बाद वापसी करते हुए लगातार दो वनडे में जीत दर्ज की। जम्पा ने भारत के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन किया।

हार्दिक पंड्या के शानदार शुरूआती स्पैल और कुलदीप यादव की फिरकी ने आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर लगाम कसी लेकिन उसके पुछल्ले बल्लेबाजों ने 49 ओवर में सिमटने से पहले 269 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में मदद की।

कप्तान रोहित शर्मा (30 रन) और शुभमन गिल (37 रन) ने मिचेल स्टार्क के खिलाफ सतर्क शुरूआत की। दोनों ने संभलकर खेलते हुए नौ ओवर में पहले विकेट के लिए 56 गेंद में 65 रन जोड़ लिए थे। पर अगले ही ओवर में सीन एबोट की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में रोहित डीप स्क्वायर लेग में स्टार्क को कैच दे बैठे।

कोहली क्रीज पर थे, पर कुछ ही देर में जम्पा ने गिल को पगबाधा आउट कर दिया जिसे अंपायर ने नकार दिया। पर आस्ट्रेलिया ने रिव्यू लिया जिसमें वह आउट हो गए। इससे दोनों सलामी बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे।

अब जिम्मेदारी कोहली और लोकेश राहुल (32 रन, दो चौके, एक छक्का) के कंधों पर थी। कोहली ने 18वें ओवर में एगर पर मिडविकेट के ऊपर से एक चौका और फिर एक गेंद बाद लांग ऑफ पर छक्का जड़ा। दोनों बल्लेबाज ज्यादा आक्रामकता नहीं दिखा रहे थे, दोनों एक दो रन लेकर पारी आगे बढ़ा रहे थे। राहुल ने जम्पा पर अंपायर के सिर के ऊपर से चौका जड़ा जिससे यह अर्धशतकीय साझेदारी पूरी हुई। अगले 27वें ओवर में राहुल ने थोड़ा हावी होने की कोशिश में स्टार्क पर गगनचुंबी छक्का जड़ा और एक चौका लगाया। इससे पहले कि वह अपनी इस आक्रामकता को जारी रख पाते जम्पा ने अगले ओवर में उनका विकेट झटका लिया। राहुल बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में एबोट को कैच देकर आउट हुए। इस तरह 93 गेंद में 69 रन की साझेदारी टूट गई।

अक्षर पटेल चार गेंद ही खेल पाए थे कि गफलत में रन आउट हो गए। कोहली ने फिर 31वें ओवर की पहली गेंद पर एक रन लेकर 61 गेंद में दो चौके और एक छक्के से अपना 65वां अर्धशतक पूरा किया। हालांकि फिर ज्यादा रन नहीं जोड़ सके। पंड्या (40 रन) ने एबोट पर छक्का जड़कर दबाव कम करने का प्रयास किया और फिर बीच बीच में बाउंड्री लगाकर कोहली के साथ 34 रन की भागीदारी बना चुके थे। 35 ओवर में भारत का स्कोर चार विकेट पर 185 रन था। पर एशटन एगर ने 36वें ओवर में पहले कोहली को और फिर अगली ही गेंद को सूर्यकुमार यादव को शून्य पर बोल्ड किया। सूर्यकुमार लगातार तीसरे मैच में खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। इससे स्कोर छह विकेट पर 185 रन हो गया। रविंद्र जडेजा (18 रन) जम्पा का चौथा शिकार बने।

महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप: निकहत और लवलीना सेमीफाइनल में, भारत के चार पदक पक्के

नई दिल्ली। प्रबल दावेदार निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन ने बुधवार को यहां उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन करते हुए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत के लिए पदक पक्के किए।

इन दोनों के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों की चैम्पियन नीतू गंघास (48 किलो) और अनुभवी स्वीटी बूरा (81 किग्रा) भी अंतिम चार में पहुंच गईं। नए वजन वर्ग में खेलते हुए मौजूदा चैम्पियन निकहत (50 किग्रा) ने थाईलैंड की चुथामाट रकसात को 5-2 से हराकर अपना दूसरा विश्व चैम्पियनशिप पदक पक्का किया जबकि लवलीना (75 किग्रा) ने मोजाम्बिक की एडोसिंडा राडी ग्रामाने पर 5-0 से जीत हासिल की। हालांकि भारत के लिए साक्षी चौधरी (52 किग्रा) और पिछले चरण की कांस्य पदक विजेता मनीषा मौन (57 किग्रा) हालांकि अंतिम चार चरण तक पहुंचने में विफल रही। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैसमीन लम्बोरिया (60 किग्रा) और नुपूर श्योराण (81) को भी हार सामना करना पड़ा। निकहत का सामना अब सेमीफाइनल में कोलंबिया की इंग्रिट वालेंसिया से होगा जो रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता हैं। हरियाणा की 22 वर्ष की नीतू रिंग में उतरने वाली पहली भारतीय रहीं, उन्होंने दूसरे राउंड में आरएससी (रैफरी के द्वारा मुकाबला रोके जाना) के आधार पर जापान की माडोका वाडा को हराया। इस तरह उन्होंने अपने और भारत के लिए कम से कम एक कांस्य पदक पक्का किया। वहीं टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला खेल रही स्वीटी ने अपनी शीर्ष वरीयता के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए 2018 कांस्य पदक विजेता बेलारूस की विक्टोरिया केबिकावा पर 5-0 से जीत हासिल कर विश्व चैम्पियनशिप का अपना दूसरा पदक पक्का किया।

अतंरराष्ट्रीय

चिनफिंग की रूस यात्रा शांति और दोस्ती के लिए : चीन

बीजिंग। चीन ने बुधवार को राष्ट्रपति शी चिनफिंग की रूस की यात्रा को मित्रता, सहयोग और शांति की यात्रा करार दिया और यूक्रेन को अमेरिका द्वारा हथियार मुहैया कराने की निंदा की।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने चीन के दावे को दोहराया कि यूक्रेन-रूस संघर्ष के मामले में वह तटस्थ रहेगा। उन्होंने कहा कि , चीन की यूक्रेन मुद्दे को लेकर कोई स्वार्थी मंशा नहीं है और आदर्श तौर पर इसके साथ नहीं है या इसे लाभ लेने के अवसर के तौर पर नहीं देख रहा है। वांग ने दैनिक प्रेस वार्ता में कहा, चीन एक शब्द में कहता है कि वह शांति वार्ता को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने अमेरिका पर निष्पक्षता में कमी और यूक्रेन को हथियार देकर अपने हित में संघर्ष को हवा देने का आरोप लगाया। गौरतलब है कि अमेरिका, नाटो और सहयोगी देश युद्ध के शुरुआत से ही यूक्रेन की मदद कर रहे हैं जबकि चीन सीधे तौर पर संलिप्त होने से बचते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को आर्थिक मदद कर रहा है। चीन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, राष्ट्रपति शी चिनफिंग की रूस यात्रा दोस्ती, सहयोग और शांति के लिए थी जिसका सकारात्मक असर अंतरराष्ट्रीय समुदाय में हुआ है। उन्होंने कहा कि चीन यूक्रेन मुद्दे के राजनीतिक समाधान के लिए सकारात्मक भूमिका निभाना जारी रखेगा। वांग संभवतः बीजिंग द्वारा प्रेषित 12 सूत्रीय शांति प्रस्ताव का संदर्भ दे रहे थे जिसमें संघर्ष विराम और वार्ता का आह्वान किया गया है।

चीन, रूस संयुक्त रूप से अमेरिका की हिंद-प्रशांत रणनीति का मुकाबला करेंगे

बीजिंगामॉस्को। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बुधवार को रूस की अपनी यात्रा का समापन किया और अमेरिका की हिंद-प्रशांत रणनीति का मुकाबला करने के लिए अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ समान, खुली और समावेशी सुरक्षा प्रणाली बनाने का संकल्प किया।

शी ने पुतिन के साथ गहन चर्चा की, जिसके बाद नेताओं ने नए युग के लिए समन्वय की व्यापक रणनीतिक साझेदारी और चीन-रूस आर्थिक सहयोग में प्राथमिकताओं पर 2030 से पहले विकास योजना को गहरा करने के लिए दो संयुक्त बयानों पर हस्ताक्षर किए। शी चिनफिंग ने मॉस्को की तीन-दिवसीय यात्रा यूक्रेन संघर्ष में शांति वाहक के तौर पर अपनी भूमिका दर्शाने के लिए की थी। उन्होंने इस दिशा में शांति वार्ता योजना को आगे बढ़ाने की मांग की, जिस पर यूक्रेन के प्रमुख सहयोगी अमेरिका से ठंडी प्रतिक्रिया मिली। मार्च 2013 में पहली बार चीन का राष्ट्रपति बनने के बाद से शी की रूस की इस यात्रा को दोस्ती, सहयोग और शांति की यात्रा बताया गया है।चीन ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रपति शी की हाल में समाप्त हुई रूस की राजकीय यात्रा दोस्ती, सहयोग और शांति की यात्रा थी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग

वेनबिन ने कहा कि चीन यूक्रेन संघर्ष में तटस्थ है और उन्होंने यह भी दोहराया कि बीजिंग का यूक्रेन मुद्दे पर कोई स्वार्थी मकसद नहीं है, वह मूक दर्शक नहीं बना हुआ है... या इस अवसर का लाभ नहीं उठा रहा है। वांग ने कहा, राष्ट्रपति शी चिनफिंग की रूस की यात्रा दोस्ती, सहयोग और शांति की यात्रा है, जिस पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने सकरात्मक प्रतिक्रिया दी है। प्रवक्ता ने संघर्ष विराम एवं बातचीत के आह्वान को लेकर चीन द्वारा पेश 12-सूत्री शांति प्रस्ताव का जिक्र करते हुए कहा, चीन, यूक्रेन मुद्दे के राजनीतिक समाधान को बढ़ावा देने में रचनात्मक भूमिका निभाना जारी रखेगा। अपने संयुक्त बयान में चीन और रूस ने एशिया-प्रशांत देशों के साथ नाटो के सैन्य-सुरक्षा संबंध लगातार बढ़ाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की और उनका कहना है कि यह क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को कमजोर करता है। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्ष एशिया-प्रशांत क्षेत्र में विशिष्ट गठबंधन का विरोध करते हैं, जो क्षेत्र में इस तरह की गठबंधन की राजनीति को बढ़ावा देगी और खेमेबाजी से टकराव पैदा होगा।

उत्तराखंड प्रहरी छोटी खबरें

नहीं दिखा चांद, 24 से शुरू होगा माहे-रमजान, इस बार होंगे कितने जुमे होंगे?

पटना। मुसलमानों के पाक महीने रमजान का चांद बुधवार को देश के किसी भी हिस्से में नहीं देखा गया. इसी कारण शुक्रवार से रमजान की शुरुआत होगी और पहला रोजा भी शुक्रवार को ही रखा जाएगा. आज गुरुवार से तरावीह होगी और सेहरी की भी शुरुआत होगी. इस बार रमजान के दौरान पांच जुमा (शुक्रवार) होंगे. इसकी जानकारी इमारत ए शरिया और खानकाह मिजिबिया ने दी है. गुरुवार की रात से सभी मस्जिदों और खानकाहों में तरावीह की नमाज शुरू हो जाएगी. बिहार, झारखंड, ओड़िशा के मुसलमानों की सबसे बड़ी संस्था इमारत ए शरिया के काजी ए शरीयत मौलाना अंजार आलम कासमी और खानकाह-ए-मुजिबिया फुलवारीशरीफ के प्रशासक हजरत मौलाना मिनहाजुद्दीन कादरी ने घोषणा करते हुए कहा कि बुधवार को रमजान का चांद नजर नहीं आया. इसी कारण रमजान की पहली तारीख शुक्रवार 24 मार्च होगी.

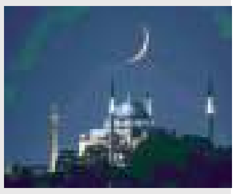

रमजान माह में रोजा रखने के लिए सुबह सूर्य उगने से पहले सेहरी की जाती है. सेहरी में दूध, फल या अन्न से बनी चीजों का सेवन किया जा सकता है. सेहरी के बाद एक दुआ पढ़ी जाती है, जिसके बाद से रोजा शुरू हो जाता है. रोजा शुरू होने के बाद सूर्य ढलने तक इंसान को एक बूंद पानी की भी इजाजत नहीं होती है. शाम के समय नमाज से ठीक पहले इफ्तार यानी रोजा खोलने का समय होता है. रोजा की स्थिति में रोजेदार दिनभर भूखे-प्यासे रहकर अपनी इच्छाओं पर काबू पाता है. रोजा गरीबों, यतीमों, जरूरतमंदों के दुख-दर्द और भूख प्यास का अहसास करता है. रोजे की हालत में इंसान झूठ, चोरी, चुगली, धोखेबाजी, अत्याचार जैसी सामाजिक बुराइयों से बचता है.

भाजपा ने चार राज्यों में अध्यक्ष बदले, बिहार में ओबीसी और राजस्थान में ब्राह्मण पर लगाया दांव

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा और इस साल कुछ राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को चार राज्यों में महत्वपूर्ण संगठनात्मक बदलाव किए। इसके तहत पार्टी ने बिहार विधान परिषद में पार्टी के नेता सम्राट चौधरी को बिहार इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया जबकि चितौडग़ढ़ से सांसद चंद्र प्रकाश जोशी (सी पी जोशी) को भाजपा की राजस्थान इकाई की जिम्मेदारी सौंपी गई।

पार्टी महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी अलग-अलग विज्ञप्तियों के मुताबिक दिल्ली भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को प्रोन्नत करते हुए प्रदेश इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया और ओडिशा के पूर्व मंत्री व वरिष्ठ नेता मनमोहन सामल को राज्य इकाई के अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सिंह ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने इन नियुक्तियों को हरी झंडी दी है और यह तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

उत्तराखंड में भाजपा सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल में बिजली-पानी महंगा, शराब सस्ती: विपक्ष

देहरादून। उत्तराखंड में विपक्षी दलों ने बिजली और पानी की दरों में प्रस्तावित वृद्धि तथा शराब की कीमतों में कमी को लेकर बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पुष्कर सिंह धामी सरकार की आलोचना की। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष करन माहरा ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश की हालत अजीब हो गई है जहां शराब सस्ती हो रही है लेकिन बिजली-पानी महंगा हो रहा है। उन्होंने कहा, सरकार हमारे प्रदेश में गैस आधारित बिजली उत्पादन करने वाली निजी कंपनियों को बिना एक यूनिट बिजली पैदा किए सैकड़ों करोड़ रुपए दे रही है।

सरकार के कामकाज में तेजी लाने के लिए जवाबदेही तय होगी: सीएम धामी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार के कामकाज में तेजी लाने के लिए जल्द ही जवाबदेही तय की जाएगी और हर महीने कार्यों की समीक्षा की जाएगी। अपनी सरकार का एक वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के मौके पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम में धामी ने कहा कि सरकार की मंशा कामों में तेजी लाने की है ताकि सभी काम जल्द पूर्ण हो सकें। उन्होंने कहा, पिछले वर्षों में हमने आधारशिला बनाने का काम किया है और इस वर्ष हम जवाबदेही तय करने वाले हैं। हम प्रत्एक माह कामों की समीक्ष करेंगे और योजनाबद्ध तरीके से आगे बढेंगे।

धामी ने कहा कि हम अपने कामों में तेजी लाएंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में हुए विकास कार्यों के साथ 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखंड का बनाने का उनका स्वप्न पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि ऋषिकेशकर्णप्रयाग परियोजना, आलवेदर सडक परियोजना, केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्य, दिल्लीदेहरादून एलीवेटेड रोड परियोजना जैसे कई कार्य उत्तराखंड में तेज गति से चल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड उत्कृष्ट तरीके से आगे बढ रहा है और इसके लिए उन्होंने जनता को सरकार को दोबारा सत्ता में लाने के लिए धन्यवाद भी जताया। उन्होंने कहा कि जनता जानती है कि कौन राज्य को श्रेष्ठ तरीके से आगे ले जा सकता है। उन्होंने कहा, यह हमारी नहीं बल्कि जनता की जीत थी। उन्होंने कहा कि वह लगातार जनता से फीडबैक ले रहे हैं जिसके लिए वह प्रातः टहलने भी जाते हैं। इस संबंध में उन्होंने चंपावत का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी इस दौरान एक मां से मुलाकात हुई थी जिसने उनके कामों की तारीफ करते हुए उन्हें आगे बढने का आशीर्वाद भी दिया। धामी ने कहा कि इस फीडबैक से ही उन्हें जनता के लिए योजनाएं बनाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जनता से किए वादे भी पूरे किए जिसमें 1.76 लाख अंत्योदय परिवारों को एक साल में तीन रसोई गैस सिलेंडर निशुल्क देना भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने धर्मांतरण पर रोक लगाने के लिए एक कड़ा कानून बनाया।

हम कानून के तहत लड़ाई लड़ेंगे, राहुल सच बोलते रहेंगे: कांग्रेस

नईदिल्ली। कांग्रेस ने मोदी उपनाम संबंधी टिप्पणी को लेकर सूरत की एक अदालत द्वारा राहुल गांधी को दो साल कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद बृहस्पतिवार को कहा कि वह कानून में विश्वास करती है और यह लड़ाई कानून के तहत ही लड़ी जाएगी तथा उसके पूर्व अध्यक्ष बिना डरे सच बोलते रहेंगे।

अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद राहुल गांधी ने महात्मा गांधी के एक कथन को उद्धृत करते हुए ट्वीट किया, मेरा धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है। सत्य मेरा भगवान है, अहिंसा उसे पाने का साधन। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, हमको पहले से अंदाजा लग रहा था, लेकिन हम कानून और न्यायपालिका में विश्वास रखने वाले हैं और कानून के तहत लड़ेंगे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि राहुल गांधी की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वह सच बोलते रहेंगे। उन्होंने ट्वीट किया, डरी हुई सत्ता की पूरी मशीनरी साम, दाम, दंड, भेद लगाकर राहुल गांधी जी की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। मेरे भाई न कभी डरे हैं, न कभी डरेंगे। सच बोलते हुए जिए हैं, सच बोलते रहेंगे।

उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य का दावा, मेरी हत्या करा सकते हैं अखिलेश यादव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव के मन में उनके प्रति जहर भरा है और वह उनकी हत्या भी करा सकते हैं। अखिलेश यादव ने इसके जवाब में कहा कि सपा किसी के लिए खतरा नहीं हो सकती। मौर्य ने बृहस्पतिवार को यहां अपने सरकारी आवास पर संवाददाताओं से बातचीत में एक सवाल पर कहा, मैं यह मानता हूं कि उनके मन में मेरे प्रति बहुत जहर भरा है। मैं कभी भी अखिलेश यादव जी को श्री अखिलेश यादव, पूर्व मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष के अलावा उनके प्रति कोई और शब्द प्रयोग नहीं करता लेकिन उनकी जो भावना है, पता नहीं किनसेकिनसे मिली भगत करके, उनका बस चले तो मेरी हत्या करवा दें।

उनसे पूछा गया था कि अखिलेश यादव कहते हैं कि केशव प्रसाद मौर्य तो शूद्र हैं, और वह उनके बारे में कुछ भी नहीं कहना चाहते हैं। मौर्य ने यादव को अपनी पार्टी पर ध्यान देने की सलाह देते हुए कहा, समाजवादी पार्टी का 2024 के लोकसभा चुनाव में तो सफाया हो ही जाएगा, लेकिन वह पार्टी के काम में ध्यान दें और इस प्रकार की बयानबाजी करके उन्हें अब कुछ भी हासिल नहीं होने वाला है। उनका सर्वोच्च (प्रदर्शन) 2022 में था, जिसमें उन्होंने 100 से अधिक विधायक जिताए हैं लेकिन अब उनके पतन का समय आ गया है। इस सवाल पर कि अखिलेश यादव का दावा है कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उन्हें जेल भेजना चाहती है, उप मुख्यमंत्री ने कहा, जो भी लोग गलत करते हैं उन्हें जेल जाना पड़ता है। उनके बारे में अभी तक तो ऐसा कुछ मेरी जानकारी में नहीं है। वह ऐसे बयान देकर सहानुभूति बटोरने के बजाय अपनी पार्टी पर ध्यान दें। इस बीच, यादव ने मौर्य के इस बयान पर कहा, समाजवादी पार्टी किसी के लिए खतरा नहीं हो सकती है।

अमृतपाल मामला: तरन तारन, फिरोजपुर में मोबाइल इंटरनेट व एसएमएस सेवाओं पर रोक

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने बृहस्पतिवार को तरन तारन और फिरोजपुर जिलों में मोबाइल इंटरनेट और एसएमएस (संदेश) सेवाओं पर रोक को शुक्रवार दोपहर तक के लिए बढ़ा दिया, जबकि अमृतसर में मोगा, संगरूर, अजनाला उप-संभाग और मोहाली के कुछ इलाकों में पाबंदियां हटा दी गईं। पंजाब के अन्य हिस्सों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं 21 मार्च को बहाल कर दी गई थीं। गृह विभाग तथा न्याय विभाग की ओर से सोमवार को जारी किए गए आदेशानुसार, तरन तारन और फिरोजपुर में जन सुरक्षा, हिंसा के किसी भी उकसावे को रोकने और शांति व जन व्यवस्था भंग बनाए रखने के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर रोक की अवधि बढ़ा दी गई है।

आदेश में कहा गया, यह निर्देश दिया जाता है कि सभी मोबाइल इंटरनेट सेवाएं, सभी एसएमएस सेवाएं (बैंकिंग और मोबाइल रिचार्ज को छोड़कर) और मोबाइल नेटवर्क पर प्रदान की जाने वाली वॉयस कॉल के अलावा सभी डोंगल सेवाएं पंजाब के तरन तारन तथा फिराजपुर में 23 मार्च (दोपहर 12 बजे से) से 24 मार्च (दोपहर 12 बजे) तक सार्वजनिक सुरक्षा के हित में, किसी भी तरह की हिंसा को रोकने, शांति तथा सार्वजनिक व्यवस्था में किसी भी गड़बड़ी को रोकने के लिए निलंबित कर दी जाएं।

आदेशानुसार, ब्रॉडबैंड सेवाओं को निलंबित नहीं किया जा रहा है ताकि बैंकिंग सुविधाएं, अस्पताल सेवाएं और अन्य आवश्यक सेवाएं बाधित न हों। खालिस्तान समर्थक कट्टर उपदेशक अमृतपाल सिंह के नेतृत्व वाले वारिस पंजाब दे के खिलाफ पुलिस की कार्वाई

मेरे खिलाफ पोस्टर लगाने वालों को गिरफ्तार न करें, मुझे कोई आपत्ति नहीं: केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें हटाने की मांग को लेकर लगाए गए पोस्टरों से उन्हें कोई आपत्ति नहीं है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार न किया जाए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में केजरीवाल हटाओ, दिल्ली बचाओ के पोस्टर लगाए हैं। दिल्ली में मोदी हटाओ, देश बचाओ के पोस्टर लगने के बाद यह कदम उठाया गया। दिल्ली पुलिस ने मोदी के खिलाफ पोस्टर लगाने के मामले में 49 प्राथमिकी दर्ज की है और छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

28 मार्च को दस्तक देने जा रहा है ये धांसू फोन, दमदार प्रोसेसर से होगा लैस

28 मार्च को चीन में लॉन्च किया जाएगा. ये नया फोन कंपनी की Note 12 सीरीज का हिस्सा होगा. इसमें नया Snapdragon 7+ Gen 2 प्रोसेसर मिलेगा. इसकी घोषणा क्वॉलकॉम ने पिछले हफ्ते की थी. शाओमी ने भी फोन की लॉन्चिंग से पहले कुछ मेजर स्पेसिफिकेशन्स के लिए टीजर जारी किया है. फोन को गीकबेंच पर स्पॉट भी किया गया है. इससे भी कई जानकारियां सामने आई हैं. फोन को गीकबेंच लिस्टिंग पर 91Mobiles द्वारा स्पॉट किया गया है. Redmi Note 12 Turbo का मॉडल नंबर 23049RAD8C है. इस लिस्टिंग में Redmi Note 12 Turbo में मिलने वाले Snapdragon 7+ Gen 2 प्रोसेसर का स्कोर भी सामने आया है. इसे 6 सिंगल-कोर और मल्टी-कोर टेस्ट में 1,484 और 4,257 पॉइंट्स मिले हैं. लिस्टिंग से ये भी जानकारी सामने आई है कि ये फोन एंड्रॉयड 13 पर चलता है और इसमें कम से कम 12GB रैम भी देखने को मिलेगा. हालांकि, इससे कम के वेरिएंट्स भी देखने को मिल सकते हैं।

गीकबेंच लिस्टिंग के अलावा फोन को लेकर ये भी कंफर्म किया गया है कि Redmi Note 12 Turbo में 3725- स्क्वायर मिलीमीटर वेपर चेंबर मिलेगा. साथ ही ये फोन 5000mAh की बैटरी के साथ आएगा. इसमें 3.5mm हेडफोन जैक भी होगा. शाओमी ने कंफर्म किया है कि फोन का वजन 181 ग्राम होगा. साथ ही इसकी थिकनेस 7.99mm होगी. पहले से ये भी कंफर्म कर दिया गया है कि डिवाइस में 64MP प्राइमरी कैमरा मिलेगा. साथ ही इसमें 120Hz रिफ्रेश रेट के साथ 6.67-इंच फुल-HD+ OLED डिस्प्ले और 67W फास्ट चार्जिंग सपोर्ट होगा।

Asteroid से मिले धरती पर जीवन के लिए जरूरी तत्व, तो क्या क्षुद्रग्रह से हुई थी पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत

वैज्ञानिकों को क्षुद्रग्रह रयुगु से लाए गए नमूनों में ऐसे जैविक अणु मिले हैं, जो इशारा कर रहे हैं कि धरती पर जीवन की शुरुआत कहां से हुई. वैज्ञानिकों को क्षुद्रग्रह रयुगु से लाए गए नमूनों में ऐसे जैविक अणु मिले हैं, जो इशारा कर रहे हैं कि धरती पर जीवन की शुरुआत कहां से हुई।

जापान की स्पेस एजेंसी के स्पेसक्राफ्ट हायाबुसा-2 ने क्षुद्रग्रह रयुगु से कुछ पत्थर नमूने के तौर पर लिए. हायाबुसा-2 ने ये नमूने एस्ट्रॉयड की दो जगहों से लिए थे. अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की एक टीम ने इन नमूनों का विश्लेषण कर लिया है. नमूनों में यूरेसिल और नायसिन नाम के दो जैविक अणु पाए गए हैं. ये दोनों ऑर्गेनिक मॉलिक्यूल धरती पर जीवन के घटकों के निर्माण की मूल इकाई के तौर पर जाने जाते हैं. ऐसे में वैज्ञानिकों के सामने बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि क्या पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत किसी क्षुद्रग्रह के कारण हुई है ?

वैज्ञानिकों के मुताबिक, आरएनए के केमिकल बिल्डिंग ब्लॉकों में से एक जैविक अणु यूरेसिल होता है. आरएनए से ही जीव जंतु बनते हैं. यही उनके जीवन को चलाने के लिए जरूरी निर्देश भी होते हैं. क्षुद्रग्रह के नमूनों में पाया गया दूसरा ऑर्गेनिक मॉलिक्यूल नायसिन विटामिन बीथ्री या निकोटिनिक एसिड के नाम से भी पहचाना जाता है. यह इंसानी मेटाबॉलिज्म के लिए जरूरी तत्व है। क्षुद्रग्रह रयुगु हमारी पृथ्वी से 25 करोड़ किमी दूर है. हायाबुसा-2 वहां से नमूनों के तौर पर गहरे रंग के पत्थरों को लेकर साल 2020 में धरती पर लौटा था. ऑस्ट्रेलिया में कैप्सूल लैंड करने के बाद नमूनों को स्टडी के लिए जापान पहुंचाया गया. वैज्ञानिकों का मानना है कि धरती पर साढ़े 4 अरब साल पहले जीवन की शुरुआत के लिए जरूरी हालात व चीजों के हस्य से उठाने में ये नमूने काफी मददगार साबित हो सकते हैं. हो सकता है कि उस समय धरती से टकराने वाले क्षुद्रग्रह ही धरती पर ऐसे कंपाउंड लाए, जिनकी मदद से हमारे ग्रह पर जीवन की शुरुआत हुई।रयुगु के नमूनों से पहले भी वैज्ञानिकों को कार्बन से भरपूर उल्कापिंडों में धरती पर मौजूद कई अहम ऑर्गेनिक मॉलिक्यूल मिले थे।

अब लो बैटरी की समस्या मिलेगा छुटाकारा, पावर बैंक पर मिल रहा बंपर डिस्काउंट, 57 प्रतिशत तक कम हुई कीमत

मोबाइल हमारी लाइफ का अहम हिस्सा बन गया है. हम अपने ज्यादातर काम मोबाइल की मदद से ही करते हैं. कॉलिंग से लेकर शॉपिंग तक सारे काम मोबाइल की मदद हो जाते हैं. इसके अलावा लोग फोन का इस्तेमाल सोशल मीडिया पर चैटिंग और फिल्म देखने के लिए भी करते हैं, जिससे फोन की बैटरी जल्द ही खत्म हो जाती. ऐसे में अगर घर से बाहर हों और हमारे पास चार्ज करने का कोई ऑप्शन ना हो तो समस्या खड़ी हो सकती है. इसलिए आप अपने साथ एक छोटा सा डिवाइस यानी पावर बैंक रख सकते हैं। बता दें कि फोन चार्ज न हो, तो लोग परेशान हो जाते हैं. अगर आप भी इस समस्या से परेशान, तो अब आपको परेशान होने की जरुरत नहीं है, तो आज हम आपको कुछ किफायती पावर बैंक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके मदद से आप फोन को कहीं भी कभी भी चार्ज कर सकते हैं. इन दिनों सिस्का और अन्य कंपनियों कम दाम में पावर बैंक लेकर आ गई हैं. इन पावर बैंक को आप ई-कॉमर्स साइट से बढ़िया डिस्काउंट परखरीद सकते हैं.अगर आप एक नया और किफायती पावर बैंक खरीदना चाहते हैं तो आपके पास एक शानदार मौका है.

फ्लिपकार्ट पर 20000mAh के पावर बैंक में इन दिनों बढ़िया डिस्काउंट मिल रहा है. इस समय Callmate 20000mAh Power Bank को आप फ्लिपकार्ट से 40 प्रतिशत डिस्काउंट करे साथ खरीद सकते हैं. इसकी मूल कीमत 1,999 रुपये हैं. डिस्काउंट के बाद आप इसे सिर्फ 1,199 रुपये में खरीद सकेंगे.

फ्लिपकार्ट पर सिस्का का 20000 एमएएच पावर बैंक सस्ते में मिल रहा है. इसकी कीमत पर आप 57 प्रतिशत तक का डिस्काउंट पा सकते हैं. इसकी मूल कीमत 3199 रुपये है. हालांकि, फ्लिपकार्ट से आप इसे 1349 रुपये में खरीद सकते हैं. ये पावर बैंक आपको ट्रेवलिंग में भी काफी मददगार साबित होंगे. अक्सर कई बार बाहर घूमने जाना होता है लेकिन स्मार्टफोन चार्ज नहीं होता ऐसे में आपको ये पावर बैंक काफी जल्दी चार्ज कर देगा.

फ्लिपकार्ट पर ओराइमो का 20000mAh पावर बैंक कीमत से कम में मिल रहा है. इसकी कीमत पर 20% का डिस्काउंट दिया जा रहा है. इस पावर बैंक 1,699 रुपये की जगह सिर्फ 1,349 में खरीदा जा सकता है.

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक : विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906 : Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com